समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

दिल्ली की हवा ‘गंभीर’ स्थिति मे: धूल-धुंध से भरा आसमान, जानिए बचाव के जरूरी उपाय

Publisher Published on 15 May 2025

तिथि : 15 मई 2025 | **स्थान :** नई दिल्ली

[illegible]

दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर पर पहुंची

गुरुवार, 15 मई की सुबह से **दिल्ली और एनसीआर** क्षेत्र में **धूल भरी हवाओं** और **धुंध** की परत ने लोगों की सांस लेना मुश्किल कर दिया है। **वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)** कई इलाकों में **400 से 500 के बीच** दर्ज किया गया है, जो **‘गंभीर’ श्रेणी** में आता है।

प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर खतरा

प्रदूषित हवा में मौजूद धूल के महीन कण लोगों के लिए **सांस की बीमारियों**, **आंखों मे जंलन**, **त्वचा संबंधी समस्याएं** और **दमा** जैसी बीमारियों को न्योता दे रहे हैं।

मौसम विभाग की चेतावनी और पूर्वानुमान

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, दिल्ली में तेज धूल भरी हवाएं 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। शुक्रवार (16 मई) को **गरज के साथ बारिश** होने की संभावना जताई गई है, जो कुछ हद तक **धूल को नीचे बैठा सकती है**।

IMD ने यह भी कहा है कि **21 मई तक बादल छाए रहने** की संभावना है, जिससे **वायु गुणवत्ता मे थोड़ी राहत** मिल सकती है।

क्या बोले विशेषज्ञ और चिकित्सक ?

- बिना आवश्यक कार्य के **घर से बाहर न निकले**
- **मास्क** जरूर पहनें, खासकर **N95** या **एन्टी-पोल्यूशन मास्क**
- **पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े** पहनें
- घर लौटने के बाद चेहरा और हाथ-पैर जरूर धोएं

दिल्ली एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी घटी

दिल्ली IGI एयरपोर्ट क्षेत्र में सुबह **विजिबिलिटी 4500 मीटर से घटकर 1200 मीटर** तक आ गई। इसका मुख्य कारण तेज हवाओं के साथ फैली धूल रहा, जिससे विमान परिचालन और यातायात पर असर पड़ा।

राजनीतिक बयानबाजी भी तेज

AAP नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, "चार इंजन की बीजेपी सरकार में दिल्ली का एक्यूआई 500 के पार चला गया है। गर्मी में इतनी धूल और प्रदूषण पहले कभी नहीं देखा गया।"

? संबंधित खबरे:

- कर्नल सोफिया कुरैशी पर बयान देकर फंसे विजय शाह
- राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल

Source: Samachar Wani News

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.